

**परित्यजन** पुं. (तत्.) परित्याग की क्रिया या भाव, छोड़ना, त्याग करना, निकालना।

**परित्यज्य** वि. (तत्.) परित्याग के योग्य, फेंकने, छोड़ने या निकाल देने योग्य।

**परित्याग** पुं. (तत्.) 1. त्याग देने का भाव, त्याग, अधिकृत वस्तु का त्याग 2. निकाल देना, अलग कर देना, छोड़ना 3. यज्ञ 4. अलगाव 5. औदार्य, उदारता।

**परित्यागी** वि. (तत्.) त्याग करने वाला, परित्यागी, छोड़ने वाला।

**परित्याज्य** वि. (तत्.) परित्याग योग्य, छोड़ने या त्यागने योग्य।

**परित्रस्त** वि. (तत्.) अधिक डरा हुआ, भयभीत, त्रस्त।

**परित्राण** पुं. (तत्.) 1. किसी की रक्षा करना, हिफाजत करना 2. आत्मरक्षण, अपनी रक्षा करना 3. रोंगटे, शरीर के बाल या रोएँ 4. पूरी तरह से रक्षा या बचाव 5. पनाह, शरण, आश्रय।

**परित्रात** वि. (तत्.) जिसकी रक्षा की गई हो, रक्षित, रक्षाप्राप्त।

**परित्रातव्य** वि. (तत्.) रक्षा करने योग्य, परित्राण करने योग्य।

**परित्राता** पुं. (तत्.) परित्राण कर्ता, रक्षक, रक्षा करने वाला, बचाने वाला।

**परित्रायक** पुं. (तत्.) परित्राता, रक्षक, रक्षा करने वाला।

**परित्रास** पुं. (तत्.) विशेष भय, अत्यधिक डर।

**परिदंशित** वि. (तत्.) अस्त्रों से पूर्णतः सुसज्जित, कवच रूप धारण कर लेने वाला, जिरहपोश, कवचावृत्त।

**परिदग्ध** वि. (तत्.) अत्यंत जला हुआ, झुलसाया हुआ।

**परिदत्त पूँजी** वि. (तत्.) ऐसी पूँजी जो परिदान रूप में प्राप्त हुई हो।

**परिदर** पुं. (तत्.) 1. मसूड़ों का एक रोग, जिसमें मसूड़ों से खून तथा मवाद निकलता रहता है,

पायरिया रोग 2. मसूड़े जिस रोग में दाँतों को छोड़ने लगते हैं/अलग होने लगते हैं।

**परिदर्शन** पुं. (तत्.) 1. पूरी तरह से या सम्यक् रूप से अवलोकन 2. अच्छी तरह से होने वाला दर्शन, पूर्ण दर्शन 3. निरीक्षण 4. न्यायालय में होने वाली मुकदमे की सुनवाई, ट्रायल।

**परिदलन** पुं. (तत्.) नष्ट करना, रौंदना।

**परिदलित** वि. (तत्.) दलित, दमित, कुंठित, रौंदा हुआ।

**परिदष्ट** वि. (तत्.) 1. काट कर जिसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए हों 2. दंशित, काटा हुआ, जिसे दाँतों से काट खाया गया हो।

**परिदहन** पुं. (तत्.) भली प्रकार जलाना, दग्ध करना, पूर्णतः जला देना, झुलसाना।

**परिदान** पुं. (तत्.) 1. लौटाना, वापस करना, फेर देना 2. अदला-बदली करना, विनिमय, परिवर्तन 3. धरोहर लौटाना।

**परिदाय** पुं. (तत्.) खुशबू, परिमोद, सुगंधि।

**परिदायी** वि. (तत्.) ऐसा व्यक्ति जो अपनी कन्या का विवाह ऐसे पुरुष से करे जिसका बड़ा भाई अविवाहित हो, परिवेत्ता का ससुर।

**परिदाह** पुं. (तत्.) 1. अत्यंत जलन, दाह 2. मानसिक पीड़ा, व्यथा, शोक, संताप।

**परिदिग्ध** वि. (तत्.) 1. किसी वस्तु के आवरण से ढका हुआ, किसी वस्तु से लिप्त या पुता हुआ पुं. अन्न आदि के लेप में भिगोकर पकाया गया माँस का टुकड़ा जैसे- बेसन के घोल में पकाया गया।

**परिदीन** वि. (तत्.) जिसे अत्यधिक मानसिक क्लेश या दुख हो, जो चित्त से खिन्न हो।

**परिदृढ़** वि. (तत्.) अत्यंत दृढ़, मजबूत, सशक्त।

**परिदेव** पुं. (तत्.) विलाप, रोना-धोना, बिलखना।

**परिद्रष्टा** वि. (तत्.) परिदर्शनकारी, दर्शन करने वाला, देखने वाला, अवलोकनकर्ता।

**परिद्वीप** पुं. (तत्.) गरुड़ के पुत्र का नाम।